1	2	3	4
3.	शिक्षा स्नातक शिक्षा निष्पात् के विद्यार्थियों के लिये कम्प्यूटर की सहायता से ज्ञानार्जन शिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन केन्द्र	श्री लाल बहादुर शास्त्री 4 वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	सॉफ्टवेयर इंजीनियर-2 परामर्शदाता-1
4.	कम्प्यूटर की सहायता से संस्कृत शिक्षण/ज्ञानार्जन परिवेश (कैमल) भाग-I, चरण-II	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2 वर्ष नई दिल्ली	कम्प्यूटर विशेषज्ञ-2
5.	कम्प्यूटर की सहायता से संस्कृत-शिक्षण/ज्ञानार्जन परिवेश (कैमल) भाग II चरण-II	श्री लाल बहादुर शास्त्री 2 वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	कम्प्यूटर विशेषज्ञ-1
6.	मशीन में पठन योग्य रूप में भारतीय भाषा के पाठ के मूल तत्वों का विकास (संस्कृत)	सम्पूर्णानन्द संस्कृत 3 वर्ष विश्वविद्यालय, वाराणसी	सॉफ्टवेयर डिजाइन-2

संस्कृत संस्थानों में कम्प्यूटर विशेषज्ञ

2016. **श्री कृष्ण लाल शर्मा** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जिन संस्कृत संस्थानों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण सॉफ्टवेयर के विकास की परियोजनाओं के लिए सरकार ने अनुदान दिया है, उन संस्थानों में इन परियोजनाओं की संतोषजनक प्रगति के लिए सरकार ने कम्प्यूटर विशेषज्ञ उपलब्ध कराए हैं; और

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार 30 जून, 1992 तक इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों से कम्प्यूटर विशेषज्ञों को इन संस्थानों में तीन वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित करेगी ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के भारतीय भाषाओं के लिये प्रौद्योगिकी विकास (टी डी आई एव) कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत के विभिन्न संस्थानों में कई परियोजनायें शुरू की गयी हैं। इस प्रकार की प्रत्येक परियोजना में इन संस्थानों के लिये कम्प्यूटर विशेषज्ञ नियुक्त करने का प्रावधान रखा गया है ताकि वे उन्हें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास में सहायता कर सकें। इसके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली जैसे विशिष्ट तकनीकी संस्थानों को इन संस्कृत संस्थानों की सहायता करने का कार्य सौंपा गया है।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता।